48 घंटे में हटेंगे टावर

21-3-13 P.K

राजधानी के रिहायशी इलाके में लगे मोबाइल टॉवरों पर सरकार ने कड़ा रुख अख्तियार किया है. इससे निकलवाले विकिरण के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव के मद्देनजर नगर विकास मंत्री ने बुधवार को विधान परिषद में कहा कि 48 घंटे के अंदर ऐसे टावरों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी जायेगी. इसके बाद नगर निगम हरकत में आया और राजापुर पुल के पास बिना रजिस्ट्रेशन के लगाये गये एक मोबाइल टावर को सील कर दिया.

संवाददाता ■ पटना

राजधानी के रिहायशी क्षेत्र में लगे मोबाइल टावरों को हटा दिया जायेगा. 48 घंटे के अंदर इसकी कार्रवाई शुरू कर दी जायेगी. इस संबंध में नगर आयुक्त को निर्देश दिया गया है. रिहायशी इलाके, अस्पताल, स्कूल आदि से 100 मीटर के दूरी पर ही मोबाइल टावर लगाने की अनुमति है. यह जानकारी नगर विकास मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने बुधवार को विधान परिषद को दी.

तीन दिनों में होगी जांच : पार्षद बैद्यनाथ प्रसाद के अल्पसूचित प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि यह सही है कि मानव स्वास्थ्य पर मोबाइल टावरों से निकलनेवाले विकिरण का बुरा प्रभाव पड़ता है. रिहायशी क्षेत्र से 100 मीटर की दूरी पर मोबाइल टावर लगाना है.

शेष पेज 19 पर

784 मोबाइल टावर, राजधानी में लगे हैं

534 मोबाइल टावर सिर्फ निबंधित

अगर किसी क्षेत्र में पर्याप्त टावर नहीं रहेंगे, तो मोबाइल से बात करने में उपभोक्ताओं को परेशानी होगी. नेटवर्क नहीं मिल सकेगा.

अशोक कुमार, महाप्रबंधक (मोबाइल सेवाएं) बिहार दूरसंचार परिमंडल, पटना

स्कूलों व नर्सिंग होम की छतों पर भी हैं टावर

- कुर्जी मोड़ के पास निजी नर्सिंग होम की छत पर मोबाइल टावर लगा है
- पाटलिपुत्र में नेत्र रोग विशेषज्ञ के क्लिनिक की छत पर मोबाइल टावर लगा है
- बुद्धा कॉलोनी में एक विद्यालय की छत पर मोबाइल टावर है.
- पोस्टल पार्क में भी एक निजी स्कूल की छत पर मोबाइल टावर लगा है.
- अशोक राजपथ में खजांची रोड की ओर मुड़नेवाली सड़क के कोने पर बने भवन में मोबाइल टावर लगा है. इसके दूसरे तल्ले पर निजी नर्सिंग होम है

रेडिएशन का असर खतरनाक

मोबाइल टावर से निकलनेवाले इलेक्ट्रो मैग्नेटिक रेडिएशन का शरीर पर असर पड़ता है. इसका असर मरीजों पर ज्यादा पड़ता है, क्योंकि उनमें प्रतिरोधक क्षमता की कमी होती है.

डॉ जेके सिंह, निदेशक, महावीर कैंसर संस्थान

मोबाइल टावर से निकलनेवाली तरंगे काफी खतरनाक होती हैं. इससे बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक प्रभावित हो सकते हैं. इसका मस्तिष्क पर काफी गहरा प्रभाव पड़ता है, जिससे कभी भी एकाग्रता भी भंग हो जाती है.

डॉ राजीव रंजन, फिजिशियन